शोध मंथन, 2017 ISSN: (P): 0976-5255, (e) : 2454-339X, Impact Factor 3.8942 (ICRJIFR)
UGC Aproved Journal No. 40908

भारतीय अर्थव्यवस्था एवं डिजिटल इन्डिया कार्यक्रम

डॉ0 (श्रीमती) मंजू मगन
वी. वी. कॉलेज, शामली

सारांश

21वीं सदी के भारत में नागरिको की आँकाक्षाओं को पूरा करने के लिए डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का आरम्भ किया गया है। यह एक व्यापक कार्यक्रम है, जो अनेक सरकारी मन्त्रालयों एवं विभागों को कवर करता है। वर्तमान समय में डिजिटल इण्डिया को भारत के विकास का आधार बताया गया है। प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए सेवाओं का डिजीटलीकरण प्रारदर्शिता, जिम्मेदारी और त्वरित परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण है। 7 अगस्त 2014 को यह कार्यक्रम आरम्भ किया गया, जिसे 2018 तक विभिन्न चरणो में क्रियान्वित किया जाना है। डिजिटल इंडिया भारत सरकार का ऐसा कार्यक्रम है जिसमें भारतीय जनता को अत्यधिक आशायें है। ई कामर्स डिजिटल कार्यक्रम प्रोजैक्ट को सुगम बनाने में कारगर हो सकता है। किन्तु इसे क्रियान्वित करने में कई चुनौतियों व बाधायें है। देश में भ्रष्टाचार अन्य देशों की तुलना में कम हुआ है एवं देश की राष्ट्रीय आय एवं प्रति व्यक्ति आय में वष्द्धि हुई है, जो डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के अच्छे परिणामो की ओर इंगित करती है।

मूल शब्दः *"NNP" विशुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद, "CPI" अमेरिका–उपभोक्ता मूल्य सूचकांक*

शोध पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार हैः

डॉ0 (श्रीमती) मंजू मगन, *"भारतीय अर्थव्यवस्था एवं डिजिटल इन्डिया कार्यक्रम"*,
शोध मंथन, जून 2017,
Voll. 8, No. 2
पेज सं0 177–181
http://anubooks.com/?page_id=2030
Artcile No.29(SM436)

डॉ0 (श्रीमती) मंजू मगन

प्रस्तावना

21वीं सदी के भारत में नागरिको की आँकाक्षाओं को पूरा करने के लिए डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का आरम्भ किया गया है। यह एक व्यापक कार्यक्रम है, जो अनेक सरकारी मन्त्रालयों एवं विभागों को कवर करता है। वर्तमान समय में डिजिटल इण्डिया को भारत के विकास का आधार बताया गया है। प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए सेवाओं का डिजीटलीकरण प्रारदर्शिता, जिम्मेदारी और त्वरित परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण है। 7 अगस्त 2014 को यह कार्यक्रम आरम्भ किया गया, जिसे 2018 तक विभिन्न चरणो में क्रियान्वित किया जाना है। यह कार्यक्रम अनेक प्रकार के विचारों को एकल एवं व्यापक विजन में समाहित करता है, ताकि इनमें से प्रत्येक विचार एक बड़े लक्ष्य का हिस्सा दिखाई दे। इसके अन्तर्गत जिस लक्ष्य को प्राप्त करने पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है, वह है–

भारतीय प्रतिभा (IT) + सूचना प्रौद्योगिकी (IT) और कल का भारत (IT)

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के लिए भारत सरकार द्वारा निम्न लक्ष्यों को रखा गया है :

- ब्रॉडबैंड हाईवे सुनिश्चित करना।
- मोबाइल फोन के लिए वैश्विक पहुँच को सुनिश्चित करना।
- जनता को तेज गति से इन्टरनेट उपलब्ध कराना।
- डिजिटलाइजेशन से सरकारी तन्त्र में सुधार करते हुए ई–गर्वनेंस लाना।
- देश की सम्पूर्ण जनता के लिए ऑनलाइन सूचनाएँ उपलब्ध कराना।
- सेवाओं की इलैक्ट्रानिक डिलीवरी के द्वारा ई–क्रान्ति लाना।
- अधिक से अधिक आई टी नौकरियाँ सुनिश्चित करना।

शोधपत्र की उपयोगिता : भारत सरकार द्वारा देश को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए डिजिटल इंडिया अभियान 1 जुलाई 2015 से दिल्ली के इन्दिरा गांधी इनडोर स्टेडियम से चलाया गया। 2019 तक इस प्रोजैक्ट को पूरा करने का लक्ष्य है। पूरे देश में डिजिटल संरचना का निर्माण, डिजिटल साक्षरता, डिजिटल तरीके से सेवा प्रदान करना डिजिटल कार्यक्रम के मुख्य तीन उद्देश्य है। प्रस्तुत शोधपत्र इस अर्थ में उपयोगी है कि यह इस तथ्य का अध्ययन करता है कि यह कार्यक्रम किस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है।

परिकल्पना : डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम भ्रष्टाचार को प्रभावित करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। अब लोग अधिक चैतन्यता से सूचनाओं को प्राप्त करते हुए, आचरण में पारदर्शिता रखते हुए जीवन में आगे बढ रहे है। जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को लाभ पहुँचा है। भारत में भ्रष्टाचार कम हुआ है, जिससे भारत की राष्ट्रीय आय एवं प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है।

शोधपत्र की सीमायें : शोध पत्र डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम के केवल भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करता है। अन्य देश इस कार्यक्रम से किस प्रकार प्रभावित होंगे,

इसका अध्ययन नही करता।

डिजिटल क्रान्ति के अनेक प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर देखे जा सकते है। परन्तु प्रस्तुत शोध पत्र केवल भ्रष्टाचार एवं राष्ट्रीय व प्रति व्यक्ति आय पर पर पड़ने वाले प्रभाव की चर्चा करता है।

भारत में डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम : भारत में ई–शासन परियोजनाओं का शुभारम्भ–2006 में राष्ट्रीय ई शासन योजना (एन. ई. जी. पी.) के रूप में किया था। इसके तहत 31 मिशन मिड परियोजनाओं द्वारा विभिन्न डोमेन को कवर किया गया। देश भर में कई ई–शासन परियोजनाओं के सफल क्रियान्वन के बावजूद, ई–शासन वांछित प्रभाव बनाने में सक्षम नही हुआ। सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग के माध्यम से सार्वजनिक सेवाओं के पूरे परितन्त्र को बदलने के लिए भारत सरकार ने डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम आरम्भ किया। डिजिटल इण्डिया एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसके अन्तर्गत कई सरकारी मंत्रालयों और विभागों को शामिल किया गया है। कार्यक्रम का संचालन इलैक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विकास के लिए आवश्यक नौ स्तम्भों अर्थात् ब्रॉडबैंड हाइवे, मोबाइल कनेक्टिविटी के लिए यूनिवर्सल एक्सेस, सार्वजनिक इंटरनेट एक्सेस कार्यक्रम, ई–शासन, प्रौद्योगिकी के माध्यम से सरकार में सुधार, ई–क्रान्ति सेवाओं की इलैक्ट्रानिक डिलीवरी, सभी के लिए सूचना, इलैक्ट्रानिक्स विनिर्माण, नौकरियों के लिए आई टी और अर्ली हार्वेस्ट कार्यक्रमों को बल प्रदान करना है।

यह एक मिश्रित कार्यक्रम हैं और सभी मंत्रालयों एवं सरकारी विभागों से सम्बद्ध है। इस कार्यक्रम में साढ़े चार लाख करोड़ रूपये के प्रस्तावित निवेश से 18 लाख रोजगारों के सष्जन का लक्ष्य है, जिससे देश के युवा वर्ग को लाभान्वित होने का अवसर मिलेगा। देश की 125 करोड़ जनसंख्या में से लगभग 17.91 करोड़ परिवार गॉव में रहते हैं और इनमें से 16.50 करोड़ परिवारों की आय 10 हजार रूपये महीने से कम है तथा 13.34 करोड़ परिवार 5 हजार रूपये महीने से कम की आय पर अपना जीवन यापन कर रहे है। गाँवों में 10.08 करोड़ परिवारों के पास कोई भी कर्षि भूमि नहीं है। लगभग 9.16 करोड़ ग्रामीण परिवार दिहाड़ी मजदूरी पर जिन्दा है, तथा 35 प्रतिशत गाँवों में अब भी निरक्षर है। लगभग 4.08 लाख परिवार कचरा बीनते हैं और 6.68 लाख परिवार भीख मांग रहे हैं। इस प्रकार सामाजिक आर्थिक जनगणना के ताजा आंकड़ो ने ग्रामीण विकास के लिए दशकों से चलाई जा रही सरकारी योजनाओं तथा 12 पंचवर्षीय योजनाओं में लाखों करोड़ के कार्यक्रमों की पोल खोल दी है। ऐसे में डिजिटल इण्डिया के साढ़ चार लाख करोड़ रूपये के निवेश से भारत के गाँवों की तस्वीर बदल सकती है एवं भारत से भ्रष्टाचार दूर करने में मदद्गार सिद्ध हो सकती है, इस पर चर्चा की आवश्यकता है।

भारत में भ्रष्टाचार : भारत में भ्रष्टाचार चर्चा का विषय रहा है। भारत में राजनीतिक एवं नौकरशाही का भ्रष्टाचार बहुत व्यापक है, जिसका प्रभाव भारत के आर्थिक विकास पर पड़ता है। वर्ष 2015 में भारत की भ्रष्टाचार की रैकिंग 76 थी, जोकि 2014 में 85 थी और 2012 में 94 थी। भ्रष्टाचार बोध सूचक ट्रान्सपैरेंसी इन्टरनैशनल नामक एक अर्न्तराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी गैर–सरकारी

संगठन द्वारा प्रकाशित एक तालिका है। जिसमें हर वर्ष विश्व के अधिकांश देशों को उनमें विशेषज्ञ आंकलन और मत सर्वेक्षण के आधार पर बोध देने वाले भ्रष्टाचार के स्तर को मापा जाता है और देशों को सबसे कम से सबसे अधिक की श्रेणी में डाला जाता है। CPI की रिर्पोट के अनुसार पिछले वर्ष की तुलना में भारत के स्कोर में कोई परिवर्तन नही हुआ है, किन्तु भारत की रैकिंग में 9 स्थान का सुधार आया है। कुछ देशों के स्थान भारत की तुलनात्मक स्थिति निम्न तालिका द्वारा स्पष्ट है :

तलिका संख्या 1

विभिन्न देशों का भ्रष्टाचार सम्बन्धी रैंक एवं स्कोर

रैंक	देश	स्कोर
27	भूटान	65
83	श्रीलंका	37
76	भारत	38
117	पाकिस्तान	30
139	बांग्लादेश	25
166	अफगानिस्तान	11

स्त्रोत : www.ssgcp.com

डिजिटल क्रान्ति द्वारा भारत में भ्रष्टाचार सम्बन्धी मामले कम होंगे और सरकारी तन्त्र में पारदर्शिता आयेगी, ऐसा अनुमान लगाया जा सकता है। भारत की रैकिंग में 9 स्थान का सुधार डिजिटल क्रान्ति के कारण हुआ है ऐसा कहा जा सकता है। भारत में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का शुभारम्भ होने के बाद प्रति व्यक्ति आय एवं राष्ट्रीय आय में भी वृद्धि हुई है। यह तथ्य निम्न तालिका से स्पष्ट है :

तलिका संख्या 2

राष्ट्रीय एवं प्रति व्यक्ति आय में औसत वार्षिक वषद्धि दर (प्रतिशत में)

वर्ष	विशुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद	प्रति व्यक्ति आय
2012–13	13.3	12.0
2013–14	13.2	11.8
2014–15	10.8	9.4
2015–16	8.7	7.3
2016–17	11.8	10.4

स्त्रोत : आर्थिक सर्वेक्षण 2016–17

उपरोक्त तालिका संख्या 2 से स्पष्ट है कि भारत में वर्ष 2012–13 में विशुद्ध राष्ट्रीय आय की वार्षिक वृद्धि दर 2012–13 में 13.3 थी, जो वर्ष 2013–14 में 13.2 प्रतिशत रही।

2014–15 में यह घुटकर 10.8 प्रतिशत रह गयी। अगस्त 2014 में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम लागू होने के पश्चात भी वर्ष 2015–16 में यह दर घटकर 8.7 प्रतिशत हो गयी। वर्ष 2016–17 में इसमे अधिक सुधार आया है। अब यह वृद्धि दर 11.8 प्रतिशत हो गयी है। इसी प्रकार प्रति व्यक्ति आय वार्षिक वृद्धि दर वर्ष 2012–13 में 12.0 प्रतिशत थी जो वर्ष 2013–14 में कुछ घटकर 11.8 प्रतिशत हो गयी। वर्ष 2014–15 व 15–16 में वह वृद्धि दर 11.8 से घटकर 9.4 और 7.3 प्रतिशत रह गयी। गत वर्ष 2016–17 में इसमें अधिक वृद्धि होती दिखाई दे रही है। अब यह दर बढ़कर 10.4 प्रतिशत हो गयी है। इस वषद्धि दर के कारणो में अन्य सरकारी कार्यक्रमो में से डिजिटल इंडिया कार्यक्रम भी एक हो सकता है।

निष्कर्ष :

डिजिटल इंडिया भारत सरकार का ऐसा कार्यक्रम है जिसमें भारतीय जनता को अत्यधिक आशायें है। ई कामर्स डिजिटल कार्यक्रम प्रोजैक्ट को सुगम बनाने में कारगर हो सकता है। किन्तु इसे क्रियान्वित करने में कई चुनौतियों व बाधायें है। निजता सुरक्षा, डाटा सुरक्षा, साइबर कानून, टेलीग्राफ, ई–शासन तथा ई–कामर्स आदि के क्षेत्र में भारत सरकार का कमजोर नियन्त्रण है। बिना साइबर सुरक्षा के ई शासन और डिजिटल इंडिया का विचार व्यर्थ है। अब तक राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा योजना 2013 क्रियान्वित नही हो पाई है। ई कचरा प्रबन्धन के प्रावधान पर भी इस योजना में कोई ध्यान नही दिया गया है। डिजिटल साक्षरता अभियान के अर्न्तगत 52.5 लाख लोगों के लिए प्रशिक्षण देने की तैयारी की गई है। यह लक्ष्य आवश्यकता से बहुत कम है। देश में भ्रष्टाचार अन्य देशों की तुलना में कम हुआ है एवं देश की राष्ट्रीय आय एवं प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है, जो डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के अच्छे परिणामो की ओर इंगित करती है।

References :

"Can Digilocker Catalyze Digital India?- Maximum Governance" maximum governance.com. Retrieved 8-9-2016

"Modi & Website gets new, mobile friendly look" Business standard, New Delhi 16 Jan. 2016

"Digital India to propel economy to it best era : Oracle". Moneycontrol.com, 8 Oct. 2015